

## पाठ 3: मसीह में एकता

### क. कलीसिया में गुटबाज़ी की समस्या

1. 1 कुरिन्थियों 1:10 — कुरिन्थुस के मसीहियों को लिखे अपने पत्र की शुरुआत में पौलुस किस प्रकार की विनती करता है?
2. पौलुस ने विश्वासियों के बीच एकता और मेल-मिलाप के लिए यह आग्रह क्यों किया? (1 कुरिन्थियों 1:12-13)
3. कलीसियाओं में गुटों का बन जाना इतना आसान क्यों होता है, जिससे विभाजन और विवाद उत्पन्न होते हैं?
4. जब मसीही लोग दूसरों के साथ यीशु के सुसमाचार को साझा करने का प्रयास करते हैं, तब विभाजन और विवाद इतने कमजोर करने वाले और हानिकारक क्यों होते हैं? (यूहन्ना 13:35; यूहन्ना 17:21-23)
5. एक गुट और एक स्वस्थ छोटे समूह में क्या अंतर है?

### ख. पूर्ण रूप से एक साथ जुड़े हुए

1. 1 कुरिन्थियों 1:10 — अपूर्ण मनुष्यों का पूर्ण रूप से एक साथ जुड़ना कैसे संभव है? (1 कुरिन्थियों 1:4-9; कुलुस्सियों 3:12-14; रोमियों 5:5)
2. “एक ही मन के होने” का क्या अर्थ है? (फिलिप्पियों 2:1-8)
3. विभिन्न मत होने पर भी एक ही मन का होना कैसे संभव है?

### ग. आत्मिक परिपक्वता में बढ़ना

1. 1 कुरिन्थियों 3:1-2 — पौलुस कुरिन्थुस के मसीहियों की आत्मिक परिपक्वता का वर्णन किस प्रकार करता है?
2. उनकी आत्मिक अपरिपक्वता किस प्रकार प्रकट हुई? (1 कुरिन्थियों 3:3-4)
3. कौन-सी बात यह संकेत देती है कि मसीही अपनी आत्मिक परिपक्वता में बढ़ रहे हैं? (1 कुरिन्थियों 2:12-16)
4. किसने आपकी आत्मिक परिपक्वता में बढ़ने में सहायता की है?

### घ. मसीह के सेवकों के रूप में अगुवाई करना

1. 1 कुरिन्थियों 4:1-2
2. यीशु की कौन-सी शिक्षा हमें सेवक-अगुवाई के उसके उदाहरण का अनुसरण करने की आवश्यकता की याद दिलाती है? (मरकुस 10:42-45)
3. “मसीह के भेदों के भण्डारी” होने का क्या अर्थ है?
4. क्या दुःख सहना मसीह के सेवकों के लिए एक अनिवार्य अनुभव है? (1 कुरिन्थियों 4:9-13; यूहन्ना 15:18-21; मत्ती 5:11-12)
5. 1 कुरिन्थियों 4:16 में पौलुस के निमंत्रण के बारे में आपके क्या विचार हैं? (1 कुरिन्थियों 11:1 भी देखें)
6. हम सभी का एक प्रभाव क्षेत्र होता है। कौन लोग आपको एक उदाहरण के रूप में देखते हैं?
7. चाहे मानवीय अगुए कितने भी प्रतिभाशाली या प्रभावशाली क्यों न हों, अपना ध्यान उन पर केन्द्रित करने के बजाय यीशु पर केन्द्रित रखना हमेशा बेहतर क्यों है?
8. हम कैसे निश्चित हो सकते हैं कि हम अपने प्रभाव क्षेत्र में विश्वासयोग्य उदाहरण और विश्वासयोग्य भण्डारी बनेंगे?